दिनांक–13.06.11 को सूचना भवन स्थित बिहार राज्य योजना परिषद के सभाकक्ष में प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के आँकड़ों की राज्य के विकास में उपयोगिता पर सम्पन्न कार्यशाला की कार्यवाही:–

उपस्थिति– परिशिष्ट क, ख, ग, एवं घ के रूप में संलग्न

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य, 'प्रतिदर्श सर्वेक्षण के आँकड़ों' के आधार पर विश्लेषण, प्रतिवेदन–लेखन तथा प्रकाशन हेतु विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे शिक्षाविदों, शोध संस्थानों तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के विषय वस्तु के विशेषज्ञों को जोड़ना है। साथ ही कार्यशाला का उद्देश्य आँकड़ों का राज्य की उपयोगिता में विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों में जागरूकता लाना है।

कार्यशाला में सर्वप्रथम उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं आमंत्रित अतिथियों ने अपना परिचय दिया। इसके बाद डॉ० जितेन्द्र कुमार सिन्हा, कार्यालय प्रधान, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय ने कार्यशाला में आए अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यशाला के विषय और अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के कार्यकलापों पर संक्षिप्त परिचय दिया।

तत्पश्चात विजय प्रकाश, प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग ने कार्यशाला के विषय पर अपना मन्तव्य रखा। उन्होंने निम्न बातें एवं समस्याएँ रखी:–

(i) उन्होंने बताया कि निदेशालय के पास विभिन्न विषयों पर डाटा पर्याप्त मात्रा में है तथा निदेशालय से आँकड़ों का प्रकाशन हो रहा है परन्तु उन आँकड़ों का विश्लेषण नहीं हो पा रहा है।

(ii) उन्होंने यह सुझाव दिया कि Resource Persons की एक टीम बनायी जाए ताकि वे आँकड़ों का राज्यहित में विश्लेषण कर पायें। साथ ही निदेशालय स्तर पर भी प्रशिक्षण दिया जाय।

(iii) प्रधान सचिव ने इस बात पर बल दिया कि सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण पंचायत स्तर तक होना चाहिये। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि प्रतिदर्शों की संख्या बढ़ाया जाय। इस संबंध में NSSO, SDRD से बात करने का सुझाव दिया।

(iv) उन्होंने यह भी कहा कि NSSO द्वारा दिए गए डाटा–शीट में हम अपना डाटा–शीट भी जोड़ें। जिससे बिहार में अधिक से अधिक रिसर्च हो, इसके लिए एक योजना सरकार को प्रस्तावित किया जाय।

(v) उन्होंने यह बताया कि आँकड़ों को बेवसाइट पर दिया जाना चाहिए ताकि डाटा user agencies तक पहुँच पाये।

इसके बाद विजय शंकर, उप निदेशक, रान्यास/हॉलरिथ द्वारा पावर प्वाइंट के माध्यम से अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के कार्यकलापों की जानकारी दी गई। इस क्रम में डॉ० राय मुरारी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र, पटना विश्वविद्यालय द्वारा विकलांगता एवं सेवा क्षेत्र को अलग–अलग रखने का सुझाव दिया गया।

टी०एन०झा, सेवानिवृत, नाबार्ड द्वारा Unincorporated Non Agricultural enterprises के Scope एवं Coverage के बारे में जानकारी माँगी।

तदोपरांत विजय शंकर, उप निदेशक द्वारा पावर प्वाइंट के माध्यम से रान्यास के विभिन्न सत्रों के विषय पर प्रकाश डाला गया।

इसी क्रम में-

डॉ० राय मुरारी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय पटना ने बताया कि Migration भी एक महत्वपूर्ण विषय है।

विजय शंकर, उप निदेशक द्वारा यह भी बतलाया गया कि सर्वेक्षण में केन्द्र द्वारा दिए गए विषयों के अतिरिक्त राज्य सरकार की सहमति से अन्य विषयों पर भी उसके साथ सर्वेक्षण किया जा सकता है। अन्य राज्यों में ऐसा किया जा रहा है।

प्रधान सचिव द्वारा यह जिज्ञासा व्यक्त की गई कि सर्वे में क्या बिहार के अन्वेषकों को ही लगाया जाता है या केन्द्र के अन्वेषकों को भी यह कार्य दिया जाता है। उप निदेशक द्वारा यह बताया गया कि प्रतिदर्शो का आंवटन केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है जिसमें 50% NSSO (केन्द्र के अन्वेषकों) द्वारा एवं 50% बिहार के अन्वेषकों द्वारा सर्वेक्षण किया जाता है

इसके बाद Sample डिजायन एवं सैम्पलिंग के प्रोसेस पर विस्तृत रूप से विजय कुमार पाण्डे, कनीय सांख्यिकी सहायक द्वारा प्रकाश डाला गया।

टी०एन०झा द्वारा यह प्रश्न किया गया कि क्या 50% जो बिहार के अन्वेषकों द्वारा सर्वेक्षण किया जाता है वह पर्याप्त है।

प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग ने यह सुझाव दिया कि

(i) 50% को 25% या 50% और बढ़ाने की संभावना पर केन्द्र से पूछा जाय।

(ii) इस सर्वेक्षण के विश्लेषण को जिला स्तर पर ले जाने के लिए क्या किया जाय।

(iii) अगले बैठक में केन्द्र के (NSSO) प्रतिनिधियों को भी बुलाया जाए।

(iv) दूसरे राज्यों द्वारा किये जा रहे कार्य की भी सूचना संकलित किया जाय।

(v) उपभोक्ता व्यय एवं रोजगार-बेरोजगारी पर पंचायत स्तर पर तालिका निर्माण (Table Generation) हेतु साफ्टवेयर तैयार करने का अनुरोध NSSO से किया जाय।

डॉ० रायमुरारी द्वारा यह सुझाव दिया कि बिहार में प्रखंड स्तर पर डाटा का संग्रहन एवं विश्लेषण हो। इसके तहत हम अपने राज्य के अनुरूप डाटा का संग्रहन करें ताकि हमे अपने राज्य की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सकें।

टी०एन०झा द्वारा यह सुझाव दिया गया कि डाटा का विश्लेषण करने के लिए विश्वविद्यालय के विषय में शामिल किया जाय। पटना विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय द्वारा रिसर्च करने का सुझाव दिया गया ताकि बिहार में भी रिसर्च विकसित हो सके।

प्रधान सचिव ने यह सुझाव दिया कि प्रतिवेदन लेखन के लिए विभिन्न क्षेत्रों के इस विषय से संबंधित विशेषज्ञ, संस्थानों एवं अनुभवी व्यक्तियों का चयन किया जाय।

ईशा छाबड़ा, आई०जी०एस०, पटना ने यह पूछा कि क्या डाटा उपलब्ध है तभी कोई एजेंसी आपसे सम्पर्क करेगा। क्या वेबसाइट पर डाटा दिया गया है।

प्रधान सचिव ने बताया कि data website पर दिया जा रहा है।

कार्यशाला में उपस्थित चन्द्रा सिंह, रीडर, एल०एन०मिश्रा संस्थान, पटना ने सुझाव दिया कि M.fil, Phd. में भी डाटा को उपयोग किया जाय। इन डाटा पर इन्टर्नशिप भी कराया जाय। प्रतिवेदन लेखन के लिए संबंधित विशेषज्ञों का पैनल बनाया जाय।

प्रधान सचिव ने ICOR निकालने के लिए सभी प्रतिभागियों विशेषकर अर्थशास्त्री से सुझाव माँगा।

टी०एन०झा ने बताया कि इसके लिए अर्थशास्त्री की आवश्यकता पड़ेगी। प्लानिंग कमीशन से आप सहयोग ले सकते है।

इस विषय पर ईशा छाबड़ा ने बताया कि मैं अपने निदेशक से बातें कर सूचित करूगी।

टी०एन०झा द्वारा दामोदर तिवारी, सांख्यिकी विभाग, सामाजिक वैज्ञानिक, पटना विश्वविद्यालय के नाम का सुझाव इस कार्य के लिए दिया गया।

प्रो० आर०एन०मिश्रा, सांख्यिकी विभाग, पटना विश्वविद्यालय ने भी इस विषय पर कहा कि अपने विभाग में जाकर बातें करेगें। तदोपरांत इसकी सूचना निदेशालय को देंगे।

प्रधान सचिव ने जीवनांक से संबंधित डाटा का एनालाइसिस करने के संबंध में सुझाव माँगा, जिस पर डॉ० दिलीप, पटना विश्वविद्यालय ने कहा कि विभाग में जाकर इस संबंध में विचार करेगें। इसके बाद निदेशालय को सूचित किया जाएगा।

प्रो० नारायण ने सुझाव दिया कि प्रतिवेदन-लेखन के लिए पैनल बनाया जाय तथा व्यक्तिगत स्तर पर प्रतिवेदन लेखन के लिए प्रयास किया जाय।

कार्यशाला में आये सभी प्रतिभागियों के सुझाव के आधार पर प्रधान सचिव ने निम्नांकित प्रस्ताव रखा:-

(I) वैसे लोगो की जानकारी प्राप्त किया जाए जो इन विषयों पर अभिरूची रखते हों तथा प्रतिवेदन लिखने का अनुभव हो।

(II) Data को Website पर दिया जाय।

(III) प्रतिवेदन लेखन एवं विश्लेषण करने हेतु जो संस्थान इच्छुक हो उनसे सम्पर्क किया जाए।

(IV) इन विषयों पर भविष्य में भी कार्यशाला का आयोजन हो जिससे जागरूकता बढ़े।

अंत में अशोक कुमार ठाकुर, संयुक्त निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत कार्यशाला समाप्त की गई।

(डा०जितेन्द्र कुमार सिन्हा)
संयुक्त निदेशक
-सह-
कार्यालय प्रधान,
अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय,
बिहार, पटना।

1109

ज्ञापांक- 1485 दिनांक- 27.07.11

प्रतिलिपि:- अपर सचिव, योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना।

2. संयुक्त निदेशक-सह-कार्यालय प्रधान, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना।
3. संयुक्त निदेशक प्रशासन-सह-संयुक्त सचिव, योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना।
4. सभी संयुक्त निदेशक/उप निदेशक/अवर सचिव/सहायक निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना।
5. कार्यशाला में आमंत्रित सभी प्रतिभागीगण

को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

27/7/11

संयुक्त निदेशक
-सह-
कार्यालय प्रधान,

परिशिष्ट 'क'

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के आँकड़ों की राज्य के विकास में उपयोगिता पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारियों की सूची–

कार्यशाला केन्द्र – सूचना भवन, पटना

कार्यशाला तिथि – 13.06.2011

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	विभाग का नाम	अभिव्युक्ति
1.	श्री विजय प्रकाश	प्रधान सचिव	योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना।	उपस्थित
2.	डा० जितेन्द्र कुमार सिन्हा	संयुक्त निदेशक –सह– कार्यालय प्रधान	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
3.	श्री अशोक कुमार ठाकुर	संयुक्त निदेशक (रान्यास)	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
4.	श्री अवध किशोर सिन्हा	संयुक्त निदेशक (जीवनांक)	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
5.	श्री कल्याण पाण्डेय	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
6.	श्री विजय शंकर	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
7.	श्री शिवनन्दन यादव	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
8.	श्री शिवेन्द्र कुमार वर्मा	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
9.	श्री निर्भय कुमार,	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
10.	श्री विष्णु दयाल पंडित	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
11.	श्री प्रशांत कुमार चौधरी	सहायक निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
12.	श्री रतन कुमार सिन्हा	सहायक निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
13.	श्री उदय प्रसाद सिंह	सहायक निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित
14.	श्री सुदामा कुमार	आई०टी० प्रबंधक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय	उपस्थित

परिशिष्ट 'ग'

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के आँकड़ों की राज्य के विकास में उपयोगिता पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागीगण की सूची–

कार्यशाला केन्द्र – सूचना भवन, पटना

कार्यशाला तिथि – 13.06.2011

क्र० सं०	प्रतिभागी का नाम	पदनाम	विभाग का नाम	मोबाईल नं०	अभियुक्ति
1	प्रो० आर०एन०मिश्रा		सांख्यिकी विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।	9934268234	उपस्थित
2	डॉ० दिलीप कुमार	संयुक्त निदेशक	सांख्यिकी विभाग,पोपयुलेशन रिसर्च सेंटर, पटना विश्वविद्यालय, पटना।	9431433050	उपस्थित
3	डॉ० श्री कांत सिंह		सांख्यिकी विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।	9431491852	उपस्थित
4	डॉ० राय मुरारी,	विभागाध्यक्ष	अर्थशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।	9473381001	उपस्थित
5	प्रो० रास बिहारी सिंह	विभागाध्यक्ष	पटना विश्वविद्यालय, पटना।	9572356845	उपस्थित
6	डॉ० अवधेश कुमार		अनुग्रह नारायण सिन्हा संस्थान	9835889013	उपस्थित
7	सुश्री इसा छाबड़ा	आई०जी०सी०	आद्री पटना।	9955542250	उपस्थित
8	डॉ० चन्द्रा सिंह	रीडर	एल०एन०मिश्रा, पटना	9430466694	उपस्थित
9	श्री अनिश सैयद		बिहार प्रशासनिक सुधार आयोग, पटना ।	9431012726	
10	श्री टी०एन०झा		सेवा निवृत नावार्ड	9473384219	उपस्थित
11	श्री प्यारे लाल जी	निदेशक	बिहार राज्य आर्थिक अध्ययन संस्थान, पटना	9431015209	उपस्थित
12	श्री ऐ०के० श्रीवास्तव	सेवानिवृत मुख्य अभियंता	उद्योग विभाग, पटना।	9708197188	उपस्थित

13	श्री राकेश तिवारी	प्रतिनिधि, विश्व बैंक		9771024080	उपस्थित
14	प्रियरंजन झा	परामर्शी	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना।	9431267573	उपस्थित
15	अंशुमन मित्रा	परामर्शी	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना।	9431928763	उपस्थित
16	एस० नारायण		सदस्य TFOPR बिहार सरकार	9431878983	उपस्थित
17	एस० डिण्डा	Associate Prof. CIMP	अर्थशास्त्र विभाग	9304815380	उपस्थित